''एक दूसरे को उपहार दिया करो, इससे परस्पर प्रेम बढ़ेगा।''

अबू हुरैरा रज़ियल्लाहु अन्हु का वर्णन है कि अल्लाह के नबी सल्लल्लाहु अलैहि व
सल्लम ने फ़रमाया है : ''एक दूसरे को उपहार दिया करो, इससे परस्पर प्रेम बढ़ेगा।''
[ह़सन] [इसे बुख़ारी ने अल-अदब अल-मुफ़रद में, तथा अबू यअ़ला और बैहक़ी ने रिवायत किया है]

अल्लाह के नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने मुसलमानों को अपने मुस्लिम भाई के साथ उपहारों का आदान-प्रदान करने पर उभारा है और यह बताया है कि उपहार, मोहब्बत पैदा करने और दिलों को जोड़ने वाली चीज़ों में से एक है।

http://www.sunnah.global/hadeeth/hi/show/66179